अध्याय - 4 भारत में खाद्य सुरक्षा

पाठ के मुख्य बिन्दु

- किसी भी देश की खाद्य सुरक्षा तब सुनिश्चित होती है। जब उसके सभी नागरिकों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध होता है ।
- सभी व्यक्तियों के पास उच्च गुणवत्ता के खाद्य खरीदने का सामर्थ्य हो, और भोजन तक पहुंचने में कोई रुकावट ना हो।
- निर्धनता रेखा से नीचे रह रहे लोग खाद्य की दृष्टि से सदैव ही असुरक्षित रहते हैं । जबकि संपन्न लोग भी आपदाओं के समय खाद्य दृष्टि से असुरक्षित हैं।
- भारत में लोगों का एक बड़ा भाग खाद्य और पोषक तत्वों की असुरक्षा से ग्रस्त है।
- खाद्य असुरक्षा से सबसे अधिक प्रभावित समूह ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन और गरीब परिवार ,बहुत कम वेतन वाले कार्यों में लगे लोग और शहरी क्षेत्र में मौसमी कार्यों में लगे अनियमित श्रमिक हैं ।
- आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों में जहां गरीबी बहुत अधिक है । जनजातीय वाले व दूरस्थ इलाकों तथा ऐसे क्षेत्रों में जहां प्राकृतिक आपदाएं आती रहती है। खाद्य असुरक्षा ज्यादा है।
- समाज के सभी वर्गों के लिए खाद्य की उपलब्धता तय करने के लिए भारत सरकार ने सावधानी पूर्वक खाद्य सुरक्षा प्रणाली है जिसके दो पहलू हैं :-
  1. बफर स्टॉक
  2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली

  सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अतिरिक्त कई निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं, जिनमें खाद्य सुरक्षा घटक भी शामिल है।
- सरकार बफर स्टॉक इसलिए बनाती है, ताकि समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत से कम कीमत पर अनाज वितरित किया जा सके।
- भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गों में वितरित करती है, इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली कहते हैं।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भारत सरकार की सर्वाधिक महत्वपूर्ण कदम है।
- समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत से कम कीमत पर जब अनाज का वितरण किया जाता है, तो उस कीमत को निर्गम कीमत कहते हैं ।
- 2000 ईस्वी में सरकार द्वारा अन्नपूर्णा योजना चलाया गया, जिसमें दीन वरिष्ठ नागरिकों को 10 किलोग्राम निःशुल्क खाद्यान्न दिया जाना था।
- 2002 में अंत्योदय अन्न योजना की शुरुआत की गई। जिसमें निर्धनों में सबसे निर्धन लोगों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाना था, जिसमें गेहूं की निर्गम कीमत 2₹और चावल की निर्गम कीमत₹3 थी।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सभी लोगों के लिए सदैव भोजन उपलब्ध करवाना क्या कहलाता है?

a. खाद्यान्न b. खाद्य सुरक्षा
c. भोजन d. सभी

2. खाद्य पदार्थों को प्राप्त करने का सामर्थ्य क्या कहलाता है?

a. खाद्यान्न b. खाद्य सुरक्षा
c. भोजन d. इनमें से कोई नहीं।

3. खाद्य सुरक्षा मुख्यतः किस पर निर्भर करती है?

a. बाजार
b. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
c. उत्पादन
d. व्यापार

4. सार्वजनिक वितरण प्रणाली का संचालन कौन करता है?

a. सरकार b. किसान
c. व्यापारी d. उपर्युक्त सभी।

5. खाद्य सुरक्षा के खतरे की स्थिति का सामना कौन करता है?

a. सरकार b. किसान
c. व्यापारी d. इनमें से कोई नहीं।

6. समाज का कौन सा वर्ग खाद्य असुरक्षा का सामना करता है?

a. मध्यम वर्ग b. गरीब
c. उच्च वर्ग d. उपर्युक्त सभी।

7. निर्धनता रेखा से ऊपर के लोग कब खाद्य असुरक्षा का सामना करते हैं?

a. अकाल में b. सामान्य स्थिति में
c. आपातकालीन स्थिति में d. उपर्युक्त सभी।

8. खाद्य सुरक्षा में किसने नया आयाम जोड़ा?

a. हुसैन अली b. अमर्त्य सेन
c. इनमें से दोनों d. इनमें से कोई नहीं।